पत्र सूचना कार्यालय (रक्षा विंग)
भारत सरकार
****
'हर काम देश के नाम'

नई दिल्लीः पौष 12, 1944
सोमवारः 01 जनवरी 2023

63वां राष्ट्रीय रक्षा महाविद्यालय (एनडीसी) पाठ्यक्रम शुरू

एनडीसी के कमांडेंट लेफ्टिनेंट जनरल एसएस दहिया और पाठ्यक्रम प्रतिभागियों द्वारा वीरगति को प्राप्त सैनिकों के सम्मान में राष्ट्रीय समर स्मारक पर 02 जनवरी 2023 को पुष्पांजलि अर्पित करने के साथ 63वें राष्ट्रीय रक्षा महाविद्यालय (एनडीसी) पाठ्यक्रम की शुरुआत हुई। पाठ्यक्रम शासन-विधि, प्रौद्योगिकी, इतिहास और अर्थशास्त्र के पहलूओं के साथ-साथ राष्ट्रीय सुरक्षा और रणनीति पर केंद्रित है। इसमें भारतीय थल सेना के 41 अधिकारी, भारतीय नौसेना के 07, भारतीय वायु सेना के 13, सिविल सेवा के 19 और 30 मित्र देशों (एफएफसी) के 40 अधिकारी शामिल हैं।

एनडीसी 47 सप्ताह की अवधि के लिए रक्षा और सिविल सेवाओं (आईएएस, आईपीएस, आईआरएस, डीआरडीओ आदि) के वरिष्ठ अधिकारियों को एक साथ लाने के लिए पाठ्यक्रम संचालित करता है। विभिन्न भौगोलिक और भू-राजनीतिक संदर्भों में बहुविध सुरक्षा चुनौतियों का समाधान करने में एनडीसी के पाठ्यक्रम की प्रासंगिकता को देखते हुए, पिछले पाठ्यक्रमों में एफएफसी से प्रतिनिधित्व में वृद्धि देखी गई है।

राष्ट्रीय रक्षा महाविद्यालय (एनडीसी) की स्थापना 1960 में हुई थी। यह रक्षा मंत्रालय के तहत एक प्रमुख अंतर-सेवा शैक्षणिक संस्थान है और इसे देश में रणनीतिक शिक्षा का सर्वोच्च स्थान माना जाता है।

एबीबी/डीएस